बिना दावे की भविष्य निधि धनराशि

939. **श्री आस मोहम्मद** : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकारी भविष्य निधि संगठन के पास बिना दावे की भविष्य निधि की बहुत बड़ी धन-राशि पड़ी है ;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष बिना दावे की भविष्य निधि धनराशि का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) सरकार ने बिना दावे की भविष्य-निधि धनराशि को इसके लाभ प्राप्तकर्ताओं में वितरण को सुनिश्चित करने के लिये क्या कदम उठाए हैं अथवा उठाने का विचार रखती है ?

श्रम मंत्री (श्री पी० ए० संगमा) : (क) और (ख) विगत तीन वर्षों में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के पास पड़ी हुई बिना दावे की कर्मचारी भविष्य निधि की राशि निम्न प्रकार है :—

वर्ष	धनराशि (रु० करोड़ों में)
31 मार्च, 1992	66.43
31 मार्च, 1993	72.79
31 मार्च, 1994	72.49

(ग) अधिनियम के अधीन बनी योजना के अधीन जब कभी भी सदस्य/कानूनी वारिस द्वारा दावे किए जाते हैं भविष्य निधि की राशि का ब्याज सहित भुगतान कर दिया जाता है । क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्तों को, सदस्यों/कानूनी वारिसों को ढूंढने और उन्हें भविष्य निधि देयताओं को दिलवाने में सहायता करने के लिए संबंधित प्रतिष्ठानों और व्यवसाय संगठनों को पत्र भेजने सहित व्यापक प्रचार करने के लिए निदेश दे दिए गए हैं ।

Implementation pension scheme for EPF subscribers

940. SHRI V. RAJAN CHELLAPPA: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) the present status of the proposed pension schemes for EPF subscribers;

(b) the reasons for delay in implementing the scheme; and

(c) by when it is likely to be implemented?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA): (a) to (c) A Bill to amend the EPF & MP Act, 1952 for empowering the Central Government to frame a suitable pension scheme for the EPF subscribers has already been introduced in the Rajya Sabha. Formulation and implementation of the of the proposed pension scheme has been delayed because the Bill is still pending before the House. In the circumstances, it is difficult to indicae the specific time limit by which the scheme is likely to be implemented.

Strikes in public sector undertakings

941. SHRI V. RAJAN CHELLAPPA: SHRI S. AUSTIN:

Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) the details of strikes with dates, reasons and affected organisations in Public Sector Units|Corporations during 1993 and 1994;

(b) the details of demands made in each strike and the demands which were met by Government; and

(c) the steps taken by Government to obviate strikes altogether in the PSUs?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA): (a) and (b) The Labour Bureau collects industry-wise and cause-wise information on strikes in public sector undertakings both in tre Central and State spheres. A Statement indicating the number of strikes in the Central and State public sector undertakings in selected industry groups durig 1993 and 1994